क्योकि काफी कुछ लिखा है, बंच ऑफ थॉट्स और पाञ्चजन्य में देखा है हमने की क्या लिखा गया है और किस तरह से, नाटककार तो बहुत बड़े वाले रहे है, बिना देश सेवा के स्वतंत्रता सेनानी बनने की अच्छी स्क्रिप्ट लिखी इन्होंने, इतिहास कार का तो पता नही, और दार्शनिक इतने बड़े की 1927 के अहमदाबाद अधिवेशन में ये कह दिया कि " भारत मे हिन्दू और मुसलमान एक साथ नही रह सकते, जिनको लगता है कि ये देश दोनो धर्मो को लेकर बन सकता है वो गलत सोचते है, धर्मो के आधार पर देश को बांट देना चाहिए और मुसलमानों को एक अलग राष्ट्र दे कर भारत को हिन्दू राष्ट्र बनाना चाहिए।"

**BFC PUBLICATIONS PVT. LTD.**

**Personal Details**

|  |  |
| --- | --- |
| **Author Name** | Brijesh Yaduvanshi |
| **Father Name** | Udairaj Yadav |
| **Date of Birth** | 05/07/1991 |
| **Contact No** | 8004647457 |
| **Alternate contact no.** | 8935030334 |
| **e-mail ID** | brijesh.renukoot@gmail.com |
| **Nominee Name** | Mona Yadav |
| **Correspondence Address :**  **Landmark**  **City**  **State**  **Pin Code**  **Country** | L- 1119 Hindalco colony,  Near Mitali Club Dharm Sangh,  Renukoot, Sonebhadra,  Uttar Pradesh  231217  India |

**BANK DETAILS**

|  |  |
| --- | --- |
| **Account holder’s name** | Brijesh Kumar Yadav |
| **Account No.** | 50100321208881 |
| **Bank Name** | HDFC Bank |
| **Branch** | Renukoot |
| **IFSC Code** | HDFC0001917 |
| **Pan No.** | AJTPY2950M |

***(Note - \*please enclose a photograph of cancelled cheque & PAN Card)***

# Book Details

|  |  |
| --- | --- |
| **Book Title** | **"बेफ़िक्रियां"** |
| **How would you like your name to appear on book?** |  |
| **Manuscript Language** | Hindi |
| **Book Genre** | No Idea |
| **Number of images (If any)** | No |
| **Manuscript Status (Completed/Proof Read)** | Proof Reading |
| **Book Size \*** | 6\*9 |

**Standard Sizes:-**

* 5"x8"
* 6"x9"
* 8.5"x11"

**Cover details**

|  |
| --- |
| **Synopsis** - a**bout 500 words ( to enable the cover designer to understand the theme of the book and would not be printed on the book)**  **This book have content of situational feeling about the differ kind of things , you can find all feelings in the book.** |
| **Blurb - about the book** **(a short description of the book to be printed on the back of the cover.)**  **पंजीरी लिखने में दो साल से ज्यादा का समय लगा। पर इस किताब को सिर्फ छह महीने में लिखा है। इस किताब का काफी हिस्सा खुद के लिए भी लिखा ।इस किताब को लिखने और आप तक पहुँचाने में मेरे माता पिता मेरे परिवार के साथ साथ मेरे मित्र आनंद राजन का एक महत्वपूर्ण योगदान रहा है।** |
| **Author Bio - about 200 words (a short description about you which will be printed on the back cover of the book.)**  **"बेफ़िक्रियां" ये नाम इसलिए क्योकि जिंदगी के दो पहलू होते है,निराशा और उम्मीद, ये किताब लिखते समय मुझपे दोनों बीती और इन दोनों से बेफिकर होकर मैं निराशा से बाहर आया। इस किताब में लिखी कविताये और शायरियों का अधिकतर हिस्सा कोरोना को दूसरी लहर में संक्रमित होने के बाद आइसोलेशन में लिखा है। इन कविताओं ने मुझे भरपूर ऊर्जा दिया और एक बुरे वक्त से बहुत जल्दी निकलने में भरपूर मदद किया। इन शायरियों और कविताओं से मेरा सबसे ज्यादा लगाव इसी वजह से रहा है। हैं। "पंजीरी" के बाद ये दूसरी किताब "बेफ़िक्रियां" आपके लिए..................** |
|  |
|  |